(ख) चालू वर्ष के दौरान उर्वरकों का उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार का कार्यक्रम क्या है ?

पेट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): (क) 1977–78 के दौरान उर्वरकों के उत्पादन का लक्ष्य 22 लाख मी० टन नाइट्रोजन और 7 लाख मी० टन फास्फेट है ।

(ख) कम्पनियों के उत्पादन के तरीकों की लगातार देखरेख की जाती है ताकि उन कठिनाइयों का पता लगाया जाये जिनके कारण उत्पादन सीमित हो जाता है और इन कठिनाइयों पर काबू पाने के लिये परिवर्तन । नवीकरण एवं बाधा-निवारण स्कीमें ; जैसे आवश्यक औपचारिक उपाय अपनाये जायें ।

बिलासपुर डिवीजन में रेलवे की आय

2709. **श्री शरद यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दक्षिण पूर्व रेलवे का बिलासपुर मंडल रेलवे राजस्व वसूल करने में असमर्थ रहा है ;

(ख) यदि हां, तो उन प्राइवेट फर्मों के नाम क्या हैं और उनकी और बकाया राशि सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि उक्त डिवीजन भिलाई इस्पात संयंत्र से लगभग 6 करोड़ रुपये की बकाया राशि की वर्ष 1966 से वसूल करने में भी असमर्थ रहा है ; और

(घ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और भूल करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध उनकी असावधानी पर, जिसके कारण रेलवे को भारी हानि हुई, क्या कार्रवाई करने का विचार है और उक्त कार्रवाई कब तक की जायेगी ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण): (क) से (घ). सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

Proposal to run Express Train from Haldia to Delhi

2710. DR. BIJOY MONDAL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal for running an express train from Haldia (West Bengal) to Delhi in view of the importance gained by Haldia due to construction of Petrochemical Complex and other industries; and

(b) if so, whether the train will run via Kharagpur and Asansol which is the shortest route?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) No.

(b) Does not arise.

सरकारी उपक्रमों द्वारा सुसज्जा पर व्यय की गई राशि

2711. **श्री भानु कुमार शास्त्री** : क्या पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकारी उपक्रमों ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के निदेश पर मंत्रालय में बरांडे और कार्यालय तथा कुछ अधिकारियों के निवासों की सज्जा पर भारी राशि व्यय की है ; और

(ख) यदि हां, तो कितनी राशि व्यय की गई है ?

पेट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक मन्त्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा): (क) और (ख) रसायन और उर्वरक मंत्रालय के

नियंत्रणाधीन सरकारी उपक्रमों द्वारा तैयार की गई स्कीम के अनुसार ही अपनी प्रतिष्ठा बनाने तथा अपना प्रचार करने के लिये रुपये 30,955.21 की राशि का व्यय किया गया था। अधिक व्यय, मंत्रालय के बरामदों में प्रदर्शनी तथा पब्लिसिटी पेनल्स को अच्छी प्रकार की लाइटों के साथ लगाने तथा उनके नियंत्रण और देखरेख के लिये वांछित प्रगति चार्टों की प्रदर्शनी के लिये बोर्डों के लगाने पर किया गया था। इन उपक्रमों के कार्यकारी अधिकारियों, जो मंत्रालय, में सरकारी कार्य के लिये आते रहते हैं, के लिये आगन्तुक का कमरा उनके द्वारा इसी स्कीम के अन्तर्गत सजाया गया था। बिजली की व्यवस्था में सुधार करने के लिये कार्यालय के कमरों में कुछ ट्यूब लाइटें लगाई गई थीं। इन कार्यों को करने के लिये अगस्त 1976 में निर्णय लिया गया था और उसके पश्चात तत्काल ही उसे क्रियान्वित किया गया था।

जहां तक पैट्रोलियम मंत्रालय का सम्बन्ध है, मंत्रालय के बरामदों में पब्लिसिटि पेनल्स, जो कि तेल उद्योग से सम्बन्धित विदेशी उच्चाधिकारियों के प्रयोग के लिये लगाये गये हैं, पर उसी प्रकार रुपये 14,971.81 का व्यय किया गया था।

पैट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालयों के कार्यालय तथा उनके किसी भी अधिकारी के निवास-स्थान को सजाने के लिये सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कोई व्यय नहीं किया गया था।

मैनपुर से अमर कंटक तक बड़ी रेल लाइन

2712. **श्री श्याम लाल धुर्वे** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मैनपुर से मंडला फोर्ट होती हुई अमर कंटक पैन्ड्रा गुडैला तक बड़ी रेल लाइन बनाने के लिए मांग की गई है ; और

(ख) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण): (क) जी हां।

(ख) अभी तक इस लाइन के लिए कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया है। संसाधनों की भारी तंगी को ध्यान में रखते हुए इस समय इस परियोजना को शुरु करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

Domination of Foreign Drug Companies

2713. SHRI D. B. CHANDRE GOWDA: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILISERS be pleased to state:

(a) whether foreign-owned companies are still dominant in the drug industry and are thriving at the cost of the national sector;

(b) whether multi-nationals are still not producing basic medicines but are largely manufacturing formulations and non-drug items; and

(c) whether Government have received complaints that these companies produced in excess of their permitted capacity to make huge profits?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) and (b). The annual production of drugs by the foreign companies